मूल्य – 5 रु.

तारांशु

मासिक

नवम्बर – 2020

वर्ष 8, अंक 8, पृ.सं. 20

प्रस्तावित नवीन ''ओमदीप आनन्द वृद्धाश्रम'' का फ्रंट एलिवेशन प्लान

नवीन ''ओमदीप आनन्द वृद्धाश्रम''
के निर्माण हेतु योगदान योजना

जब किसी काम को करने में बहुत से हाथ जुड़ जाते हैं तो वो काम आसान तो होता ही है साथ में पवित्र भी हो जाता है। एक पावन कार्य के स्वरूप में तारा संस्थान **''ओमदीप आनन्द वृद्धाश्रम''** का निर्माण करने जा रहा है और इसमें आप सबका सहयोग भी मिले तो बेहद खुशी होगी। आपके दान को स्मृति स्वरूप भवन पर आपके नाम या आपकी इच्छानुसार किन्हीं परिजनों के नाम के रूप में अंकित किया जाएगा। आशा है कि छोटी सी ही सही एक आहूति आपकी भी इस भवन के लिए होगी।

भवन निर्माण सौजन्य राशि :

भवन निर्माण सहयोगी ''दधीचि''	रु. 1,00,000/-
भवन निर्माण सहयोगी ''कर्ण''	रु. 51,000/-
भवन निर्माण सहयोगी ''भामाशाह''	रु. 21,000/-

''तारा संस्थान, उदयपुर''
राजस्थान रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र क्रमांक:
31/उदयपुर/2009-10 दिनांक 25 जून, 2009
द्वारा पंजीकृत है।

आशीर्वाद
डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

आभार
श्रीमती पुष्पा - श्री एन.पी. भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती शमा - श्री रमेश सचदेवा
संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती सुषमा - श्री सत्यभूषण जैन
संरक्षक, प्रमुख समाजसेवी, दिल्ली

डॉ. जे.पी. शर्मा
संरक्षक, समाजसेवी एवं शिक्षाविद्, दिल्ली

श्रीमती सुमन - श्री अनिल गुप्ता (ISKCON)
संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती प्रेम निझावन
समाजसेवी, दिल्ली

श्री ओ.सी. जैन
समाजसेवी, रतलाम (म.प्र.)

श्रीमती राजरानी - श्री राजेन्द्र कुमार जैन
समाजसेवी, दिल्ली

श्री प्रताप सिंह तलेसरा
संरक्षक, तारा संस्थान, उदयपुर

प्रकाशक एवं सम्पादक
कल्पना गोयल

दिग्दर्शक
दीपेश मित्तल

कार्यकारी सम्पादक
तरुण सिंह राव

ले-आउट व ग्राफिक डिजाइनर
गौरव अग्रवाल

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ संख्या
नवीन ''ओमदीप आनन्द वृद्धाश्रम'' के निर्माण हेतु योगदान योजना	02
अनुक्रमणिका	03
लेख : 1 किसी को मना ना करना पड़े	04
लेख : 2 दीपावली... उम्मीदों की	05
नवीन ओमदीप आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर में प्रस्तावित सुविधाएँ	06
ओमदीप आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर निर्माण की प्रगति के कुछ दृश्य	07
श्रीमती कृष्णा आनन्द वृद्धाश्रम के नए आवासी	08
आनन्द वृद्धाश्रमों में वरिष्ठ नागरिकों की फुर्सत के पलों में कुछ गतिविधियाँ	09
''आनन्द वृद्धाश्रम भविष्य निधि योजना''	10
तारा नेत्रालय	11-12
गौरी योजना/तृप्ति योजना	13
हमारे संरक्षक / प्रेरक / दानदाता	14
न्यूज ब्रीफ /	15-16
नेत्रालय मासिक अपडेट्स	17
धन्यवाद / अभिनन्दन / हार्दिक श्रद्धांजलि	18
सम्पर्क सूत्र - तारा संस्थान	19

आशीर्वाद - डॉ. कैलाश 'मानव' संस्थापक - नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

श्रीमती कल्पना गोयल (दाएं) अपने पूज्य पिता डॉ. कैलाश ''मानव'' तथा
श्रीमती कमला देवी अग्रवाल की सन्निधि में, साथ में संस्थान
सचिव श्री दीपेश मित्तल (बाएं)

'तारांशु' – स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240–ए, हिरण मगरी, सेक्टर – 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच – III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन – II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक – श्रीमती कल्पना गोयल

किसी को मना ना करना पड़े

सुशीला जी नामकरण वृद्धाश्रम वासियों द्वारा ही किया गया

उदयपुर के पास एक जिला है प्रतापगढ़ वहाँ के थाने की पुलिस के दो कांस्टेबल कुछ वर्ष पहले आए, साथ में एक बुजुर्ग महिला थी जो कुछ बोल नहीं रही थी, बस साड़ी के पल्लु को मुँह में दबाएँ टुकुर–टुकुर देख रही थी। वे पुलिसवाले महिला को वृद्धाश्रम में छोड़ने आए थे। महिला से कुछ पूछा तो बस वो हर बात में गर्दन हिला रही थी। ऐसा प्रतीत हुआ कि वो पूरा नहीं समझ पा रही है लेकिन कुछ भी नहीं समझ रही, ऐसा भी नहीं था। वैसे मानसिक विमंदित को वृद्धाश्रम में नहीं रखते हैं पर वो समझ सुन रही थी, बोल नहीं रही थी और अकेली महिला थी सो निर्णय लिया कि उन्हें तारा संस्थान के वृद्धाश्रम में प्रवेश दिया जाए और तब से वो उदयपुर स्थित श्रीमती कृष्णा शर्मा आनन्द वृद्धाश्रम के परिवार का सदस्य बन गई और फिर वृद्धाश्रम के साथी आवासियों ने उनको नाम दिया ''सुशीला'' क्योंकि वो बोल लिख सकती नहीं थी तो अपना नाम कैसे बताती। सुशीला जी लगभग 2 साल से रह रही हैं और मुँह में कोई खराबी के कारण लेट कर खाना खाती है और एक कमी है कि वो बार–बार वृद्धाश्रम से निकल जाती है, जाना कहाँ है ये उनको भी नहीं पता। थोड़ी परेशानी होती है क्योंकि वे हमेशा चुपके से निकलती हैं जब गार्ड की ड्यूटी वाले व्यस्त हों। हमेशा तो 2–3 घंटे बाद मिल जाती हैं लेकिन एक बार 3–4 दिन तक नहीं मिली फिर वृद्धाश्रम की बाई को मिली तो वे ले आईं।

आज जिस मकसद से बात करने को यह आलेख आपको समर्पित है उसकी भूमिका में यह कहानी बताना जरूरी लगा सो बता दी, अब आपको थोड़ा सा मकसद भी बता दे। बात ये है कि ''तारा संस्थान'' आप सभी के आशीर्वाद से एक और वृद्धाश्रम भवन का निर्माण करने जा रहा है। ''ओमदीप आनन्द वृद्धाश्रम'' नाम का यह भवन आदरणीय ओमप्रकाश जी और दीपा जी मल्होत्रा के नाम से ''ओमदीप'' रखा है। मल्होत्रा दम्पत्ति ने संस्थान को फरीदाबाद वृद्धाश्रम का भवन भी दान दिया था और इस भवन के भी मुख्य सहयोगी आप ही हैं। एक बहुत ही नेक काम जो पवित्र यज्ञ की तरह है उसके मुख्य यजमान तो हमें मिल गए लेकिन हम चाहते हैं कि आप सभी भी इस यज्ञ से जुड़े क्योंकि जिस काम में अधिक–से–अधिक लोगों का साथ मिलता है उसे कुदरत अपने आप सफल बनाती है क्योंकि जितने सज्जन जुड़ेंगे उतनी ही सद्भावनाएँ भी मिलेगी। आपसे निवेदन है कि लेख के अंत में भवन निर्माण हेतु कुछ दान योजनाएँ हैं उनमें आप सहयोग करें और अपना या अपने परिजनों का नाम इस भवन में अंकित करावें।

जैसा कि आप जानते हैं, तारा संस्थान के 4 वृद्धाश्रम हैं ''श्रीमती कृष्णा शर्मा आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर'', ''ओमदीप आनन्द वृद्धाश्रम, फरीदाबाद'', ''रवीन्द्र नाथ गौड़ आनन्द वृद्धाश्रम, प्रयागराज'' और ''राजकीय वृद्धाश्रम, उदयपुर''। सबमें मिलाकर लगभग 200 की क्षमता है और ये क्षमता तीन चौथाई तक भर गई हैं। हम लोगों ने जब पहली बार वृद्धाश्रम खोला था और वो भरने लगा तो भी लोग आते थे तब मन में बस एक ही विचार आता था कि ''किसी को मना ना करना पड़े'' क्योंकि असहाय से कोई बुजुर्ग आपसे उम्मीद लगाकर आएँ तो आप उन्हें नाउम्मीद नहीं कर सकते हैं, उनको मना करना ऐसा ही होगा जैसे कि अपने माता–पिता को मायूस करना। प्रभु कृपा है कि अनेक दानदाता हर वक्त मदद करते हैं और हम आगे से आगे जगह की व्यवस्था करते जाते हैं। न सिर्फ नए भवन बल्कि प्रतिमाह खर्च की व्यवस्था भी पिछले 8–9 वर्षों से हो रही हैं और बस ऐसा होता रहेगा यही विश्वास है। हमें बहुत से सुझाव आते हैं कि आप लोग क्यों नहीं Paid वृद्धाश्रम खोलें, सुझाव बहुत अच्छा है पर यही लगता है कि जो पैसा खर्च कर सकते हैं उनके लिए तो बहुत विकल्प हैं पर सुशीला जी जैसे यदि कोई हों तो उनके लिए सड़क पर भीख माँगते तिल–तिल कर मरने की स्थिति हो जाती है। हमें लगता है कि ज्यादा जरूरत उन जैसे लोगों को है जिनके पास कुछ नहीं है लेकिन वाजिब सम्मान के हकदार तो हैं वो। और जो सक्षम हैं वे भी यदि रहना चाहें तो आकर रह सकते हैं। ये द्वार तो खुले ही हैं और सुविधाएँ भी वो सब हैं जो हम अपने माता–पिता के लिए सोचते हैं।

आपसे करबद्ध निवेदन है कि ''ओमदीप आनन्द वृद्धाश्रम'' भवन निर्माण की योजना में छोटे से स्वरूप में ही अवश्य जुड़े, आपका सहयोग और आशीर्वाद ही हमारी शक्ति है।

भवन निर्माण सौजन्य राशि :

भवन निर्माण सहयोगी ''दधीचि'' रु. 100000/- भवन निर्माण सहयोगी ''कर्ण'' रु. 51000/-
भवन निर्माण सहयोगी ''भामाशाह'' रु. 21000/-

– कल्पना गोयल

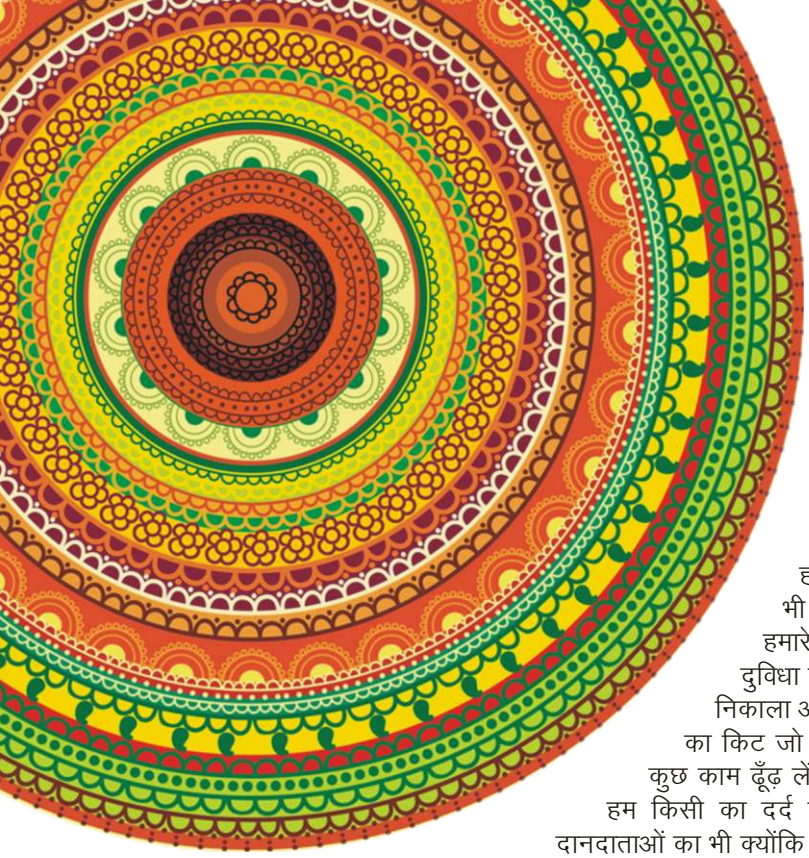

दीपावली... उम्मीदों की

आज सुबह ऑफिस में जब हम बैठे थे तो एक व्यक्ति मोहन जी (काल्पनिक नाम) आए, कहने लगे कि मैंने आप लोगों के साथ काम किया हुआ है ''नारायण सेवा'' में। बाद में कुछ गाने बजाने का काम करते थे और एक बार किसी मेले में मिले थे ढोल बजाते हुए और तब उन्हें कुछ टिप भी दी थी। आज वो नौकरी मांगने आए थे, कोई भी काम करने को तैयार थे, उनके साथ पूरी संवेदनाएँ होते हुए भी उन्हें हम काम पर नहीं रख सकते थे क्योंकि 5000 रु. महीना भी अगर देना होता तो वो हमेशा का खर्च बंध जाता और हमारे पास कोई कार्य ही नहीं था उनके लायक। कई बार दुविधा ऐसी हो जाती है कि क्या करें... खैर हमने बीच का रास्ता निकाला और उन्हें कहा कि कुछ महीनों तक तृप्ति योजना में राशन का किट जो देते हैं उन्हें भी मिल जाए और तब तक वो अपने लिए कुछ काम ढूँढ़ लें। धन्यवाद उस ईश्वर का है जिसने हमें करुणा दी कि हम किसी का दर्द समझ कर उसकी मदद कर रहें और धन्यवाद आप दानदाताओं का भी क्योंकि आप लोगों का सहयोग न हो तो लाख करुणा हो तो भी हम क्या कर पाएं। लेकिन ये पक्का है कि उस व्यक्ति के मन से दुआएँ हमारे सामने निकली जरूर थी लेकिन आप सब तक भी वो अवश्य पहुँचेगी ये तो सृष्टि का नियम ही है।

आप भी सोचते होंगे की दीपावली के शुभ अवसर पर ये दर्द की बात क्यों लेकिन इस घटना में दर्द पहले था उसके बाद तो सुख और सुकून था और हम सभी संतोष कर सकते हैं कि हम औरों के सुकून का कारण बन रहे हैं। ये जो दूसरों के दर्द को महसूस कर हमारे अंदर कुछ–कुछ होता है ना वो कुछ सौभाग्यशाली होते हैं जिन्हें यह सृष्टि चुनती है, हमारा सौभाग्य यह है कि आप सब लोग हमारा परिवार हैं। जब लॉकडाउन लगा था तो शुरू में थोड़ी घबराहट हुई थी क्योंकि मुझे पता था कि कोरोना एकदम से खत्म नहीं होगा। तारा के खर्चे कैसे चलेंगे यह एक यक्ष प्रश्न था। आँखों के ऑपरेशन के अलावा वृद्धाश्रम, तृप्ति, गौरी सभी योजनाएँ ऐसी थी कि बंद नहीं की जा सकती थी और सबसे जरूरी हमारे साथ काम कर रहे लोगों की सैलेरी भी तो थी क्योंकि अधिकतर लोग निम्न मध्यम वर्ग के हैं। लेकिन आप सभी ने हमें संभाला और संभाले रखा है।

कोरोना तो गया नहीं लेकिन इसका डर थोड़ा कम हुआ है, जिन्दगी पटरी पर लौटने लगी है, सुनने में आ रहा कि अर्थव्यवस्था भी थोड़ी सुधरी है, बाजार में गाड़ियों की खरीददारी बढ़ गई हैं लेकिन ''मोहन जी'' जैसे लोगों को पुरानी स्थिति में आने में कुछ साल लग जाएँगे। मोहन जी तो प्रतीक भर हैं, ऐसे न जाने कितने लोग हैं जिनको बेहद जरूरत है। उम्मीद भरी बात यह है कि अच्छाई जीवित है और इसका सबसे बड़ा उदाहरण दिल्ली का ''बाबा का ढाबा'' है जिसके लिए लोगों ने लाइन लगा कर खाना खाया कि किसी की मदद तो हो जाए। विवाद को परे रख दें तो ये तो सत्य है ना कि उन बुजुर्ग दम्पत्ति को मदद मिली। बहुत से लोग मिलकर थोड़ा–थोड़ा भी सहयोग करें तो कोई भूखा ना सोए ये तो हो ही सकता है। तारा में भी तो ऐसा ही है हजारों लोग देकर हजारों लोगों का जीवन संवार रहे हैं।

इस दीपावली हो सकता है पटाखे ना जलाएँ, बजारों में रोनक उतनी ना करें, एक मिठाई कम खा लें लेकिन उन लोगों की उम्मीद जिन्दा रखें जिनके छोटे–मोटे काम छिन गए और फिर अगले साल तक सब नार्मल हो जाएगा। आप सभी तो वे हैं जिन्होंने दूसरों कि खुशियों में अपना सुख टटोला है तभी तो आप तारा से जुड़े।

आप सभी को दीपावली की राम–राम के साथ माँ महालक्ष्मी से यही प्रार्थना है कि आपको और परिवार को सुख, स्वास्थ्य और समृद्धि देवें।

!! शुभ दीपावली !!

– दीपेश मित्तल

नवीन ओमदीप आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर में प्रस्तावित सुविधाएँ

इस वृद्धाश्रम में कमरे व डॉरमिटरी हॉल मिलाकर लगभग 150 बुजुर्गों के रहने की व्यवस्था होगी। परिसर में ही पूजा हेतु मंदिर व सुबह – शाम सैर हेतु ट्रेक आदि भी होंगे। शहर के मध्य होने से इस वृद्धाश्रम के बुजुर्ग लोग बाजार अथवा निकटतम पार्क में व्यायाम हेतु आ जा सकते हैं। आवासीय किचन परिसर में ही समस्त वृद्धाश्रम वासियों हेतु नाश्ते और पौष्टिक व स्वादिष्ट भोजन की व्यवस्था होगी। इंडोर गेम्स, कॉमन हॉल, टी.वी. के अतिरिक्त बुजुर्गों को समय–समय पर निकटवर्ती रमणीय एवं धार्मिक स्थलों के दर्शनार्थ ले जाया जाएगा। वृद्धजनों के लिए पाक्षिक स्वास्थ्य जाँच, दवाइयाँ व नर्सिंग सुविधाएँ उपलब्ध होगी तथा गंभीर अवस्था में उन्हें तुरंत निकटवर्ती अस्पताल पहुँचाने की व्यवस्था रहेगी।

पूजा-अर्चना स्थल

डाईनिंग हॉल

डॉक्टरी जाँच

बड़े हवा रोशनी दार डॉरमिट्री हॉल व कमरे

इंडोर गेम्स व मनोरंजन सुविधाएँ (समस्त फोटो प्रतिकात्मक है)

ओमदीप आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर निर्माण की प्रगति के कुछ दृश्य

श्रीमती कृष्णा शर्मा आनन्द वृद्धाश्रम के नए आवासी :

श्री रोशन लाल जी खरियाल

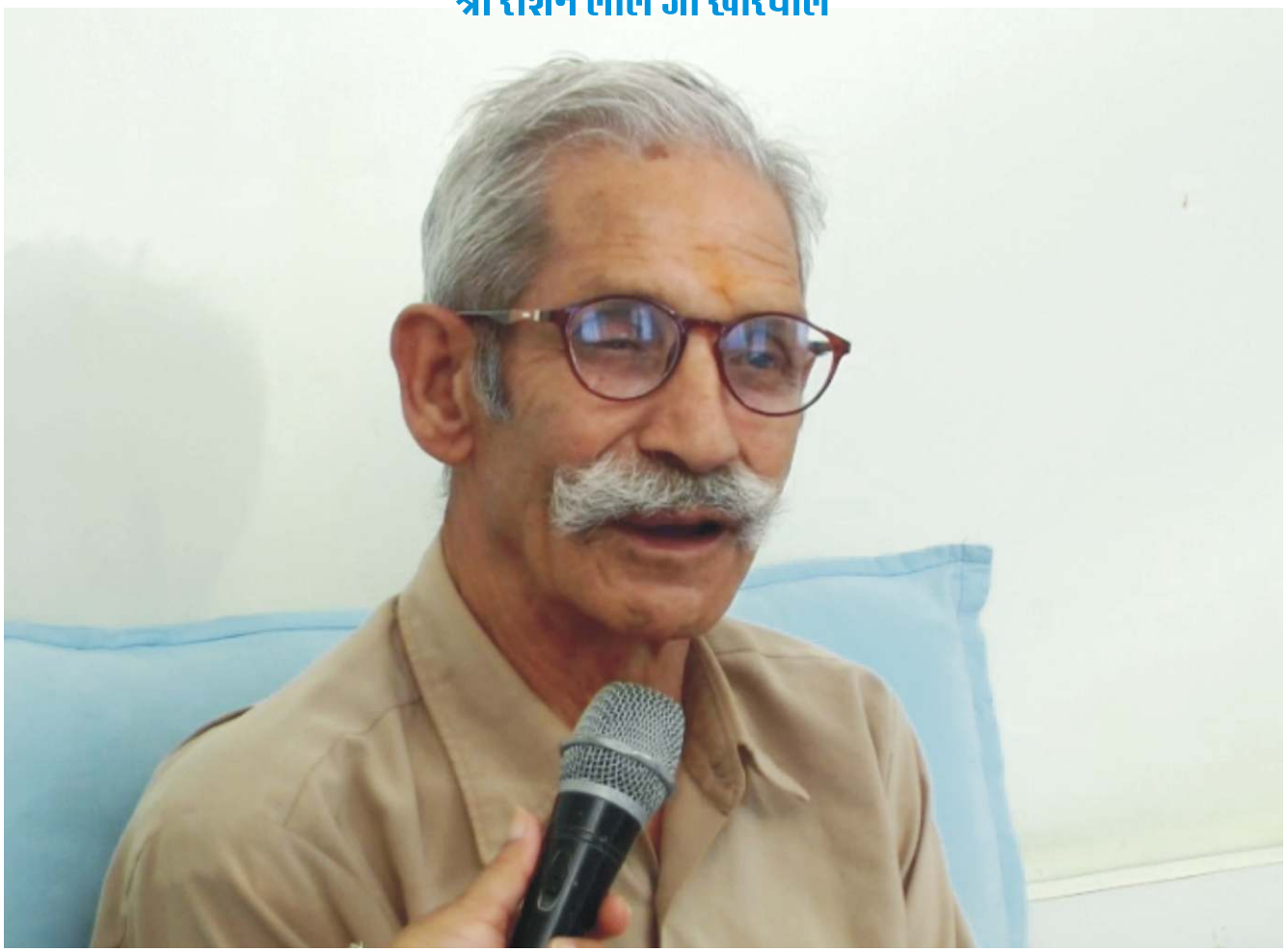

लगभग 75 वर्षीय हिमाचल प्रदेश के मूल निवासी श्री रोशन खरियाल पशुपालन आदि का कार्य करते थे। इनके 3 लड़कियाँ, 2 लड़कों व पोते–पोतियों सहित भरापूरा परिवार है। एक दिन इन्होंने अपना धंधा बच्चों को सौंप दिया और बोले कि कमाओ और खाओ पियो। काम धंधे से मुक्त होकर रोशन जी कुछ विचार करने लगे कि इस उम्र में क्या किया जाए। इसी उधेड़बुन के बीच एक दिन उन्होंने तारा संस्थान का आनन्द वृद्धाश्रम पर एक टी.वी. प्रोग्राम देखा तो संस्थान से उन्होंने फोन पर सम्पर्क साधा। हामी मिलने पर वे परिवार को बिना बताए सीधे श्रीमती कृष्णा शर्मा आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर में पहुँच कर यहाँ प्रवेश ले लिया। कुछ दिन बाद उन्होंने अपनी छोटी बेटी को फोन पर इत्तला कर दी कि वह सही जगह पर है, स्वस्थ तथा सलामत है, परिवार को किसी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है।

हमने जब उनसे पत्नी व परिवार को बिन बताए अचानक यहाँ वृद्धाश्रम में आने का कारण जानना चाहा तो वह कुछ स्पष्ट जवाब नहीं दे पाए लेकिन बोले कि जब तक दूसरों का दर्द नहीं देखेंगे तब तक अपना दुःख क्या समझ पाएंगे। आनन्द वृद्धाश्रम में आकर श्री रोशन लाल जी प्रसन्न हैं और कहते हैं कि यहाँ रहना, खाना–पीना, दवाइयाँ आदि समस्त बड़े आदर के साथ उपलब्ध कराया जाता है तो एक वृद्ध इंसान को इसके अतिरिक्त क्या चाहिए। ''क्या आप अपनी पत्नी को याद नहीं करते?'' यह प्रश्न पूछने पर रोशन जी ने दरअसल खुश होकर कहा कि वे तो सोच रहे हैं कि एक दिन गाँव जाकर अपनी पत्नी को भी यहीं ले आएंगे और पति–पत्नी दोनों ईश्वर भक्ति में रम कर जीवन गुज़ारेंगे। तारा संस्थान की व्यवस्थाओं पर श्री रोशन लाल खरियाल कहते हैं कि ऐसे सुन्दर कल्याण कार्य उपलब्ध कराने हेतु संस्थान के दानदाताओं को बहुत–बहुत धन्यवाद व आशीर्वाद दिया जाना चाहिए।

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)			वृद्धाश्रम बुजुर्गों हेतु भोजन 3500 रु. (एक समय)
01 वर्ष 60000 रु.	06 माह 30000 रु.	01 माह 5000 रु.	

जो भी चाहे अपनी अंतरात्मा की आवाज सुन सकता है, वह सबके भीतर है।

आनन्द वृद्धाश्रमों में वरिष्ठ नागरिकों की फुर्सत के पलों में कुछ गतिविधियों की झलकियाँ

प्रात:काल में योग ध्यान

किचन में सहयोग हेतु सब्जियाँ काटते हुए आवासी बुजुर्ग महिलाएँ

कैरम खेल का आनन्द लेते बुजुर्ग

"आनन्द वृद्धाश्रम भविष्य निधि योजना"

तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों की निरंतर भोजन सेवा, चिकित्सा हेतु भविष्य निधि (Corpus Fund) में सहयोग देवें।

वृद्धजन सहयोगी "शांति" रु. 1,00,000/-

वृद्धजन सहयोगी "शक्ति" रु. 51,000/-

वृद्धजन सहयोगी "आस्था" रु. 21,000/-

(आपके सहयोग की ब्याज राशि से वृद्धाश्रम के कार्य चलायमान रहेंगे।)

मैं मरने के लिए तैयार हूँ, पर ऐसी कोई वजह नहीं है जिसके लिए मैं मारने को तैयार हूँ।

तारा नेत्रालय :

तारा नेत्रालय में एक साक्षात्कार

तारा नेत्रालय यहाँ आने वाले मरीजों से यह जानने की कोशिश करते हैं कि उन्हें मोतियाबिन्द की समस्या कब से हुई और तारा संस्थान के बारे में कैसे पता चला कि यहाँ पर निःशुल्क ईलाज होता है। ऑपरेशन से पहले व बाद श्रीमती शांता बाई से की गई बातचीत के कुछ अंश निम्न लिखित हैं:

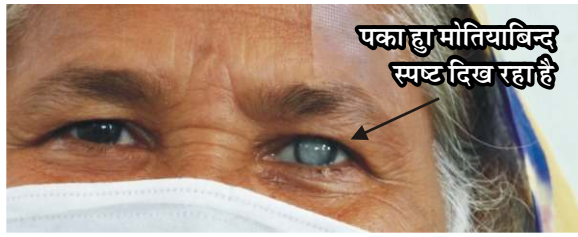

ऑपरेशन के पहले :

तारा		**मरीज**
क्या नाम है आपका?	–	**शांता**
कहाँ से आए हैं?	–	**सलुम्बर से**
आपकी आँख में क्या हुआ?	–	**ऑपरेशन करवाना है।**
कितने दिन से नहीं दिख रहा है?	–	**समय तो खूब हो गया है लगभग 12 महीने पहले पिछली बार आई तो तारीख दी थी 24 मार्च की। तो सब कुछ बंद हो गया था (लॉकडाउन) फिर डेढ़ महीने तक यहीं रहे फिर टैक्सी करके घर गई। अब वापस आई हूँ।**
तो क्या परेशानी है आँख में?	–	**एक आँख से नहीं दिख रहा चीजों और लोगों से टकरा जाती हूँ। इस तरफ से कुछ भी दिखता ही नहीं। एक तरफ से ही दिखता है।**
आज आपका ऑपरेशन है, डर तो नहीं लग रहा?	–	**नहीं डर नहीं लग रहा है।**

ऑपरेशन के पश्चात :

तारा		**मरीज**
बाई जी कैसा दिख रहा है अब?	–	**अच्छा दिख रहा है।**
पहले से बेहतर दिख रहा है?	–	**हाँ, बिल्कुल**
यहाँ पर कितने दिन रहे?	–	**दो दिन**
दो दिन में कोई परेशानी तो नहीं आई?	–	**नहीं**
खाना–पीना वगैरह सब समय पर मिला?	–	**हाँ, बिल्कुल**
आपकी आँख का जो ऑपरेशन करवाया, उसके कोई पैसे तो नहीं लगे?	–	**नहीं, नहीं**
	–	**बहुत–बहुत धन्यवाद। दानदाताओं की लम्बी उम्र हो और वे खूब तरक्की करें।**

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन 51000 रु.	09 ऑपरेशन 27000 रु.	06 ऑपरेशन 18000 रु.	03 ऑपरेशन 9000 रु.	01 ऑपरेशन 3000 रु.

कोरोना प्रकोप के कारण तारा नेत्रालयों के ''नेत्र जाँच व मोतियाबिन्द ऑपरेशन चयन'' शिविर निरस्त हैं पर देश भर में अस्पताल चालू है

उल्लेखनीय है कि तारा संस्थान संचालित तारा नेत्रालयों के नाम से देश के छः शहरों – उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई, फरीदाबाद, रतलाम व लोनी में नेत्र अस्पताल चलाते हैं। ये नेत्रालय सामान्य नेत्र जाँच एवं निदान तथा मोतियाबिन्द जाँच एवं ऑपरेशन की प्रकिया हेतु आधुनिकतम मशीनों, उपकरणों एवं प्रशिक्षित नेत्र विशेषज्ञों एवं मेडिकल स्टाफ से सुसज्जित है।

इन चारों नेत्रालयों में गरीब व जरूरतमंद मरीजों का पूर्णतः निःशुल्क उपचार होता है जिसमें हजारों रोगी प्रतिदिन लाभान्वित होते हैं। तारा नेत्रालयों द्वारा न सिर्फ स्थानीय ओ.पी.डी., जाँच एवं निदान होता है बल्कि दूरदराज व गरीब–आदिवासी क्षेत्रों में समय–समय पर ''नेत्र जाँच एवं मोतियाबिन्द ऑपरेशन चयन शिविर'' आयोजित किए जाते हैं। हालांकि कोरोना प्रकोप के कारण इन दिनों शिविर बन्द है सिर्फ अस्पताल ही चालू है।

तारा नेत्रालय, उदयपुर के ओ.पी.डी. का एक दृश्य

ऑपरेशन पश्चात छुट्टी का इंतजार करते कुछ मरीज

सत्य बिना जन समर्थन के भी खड़ा रहता है, वह आत्मनिर्भर है।

गौरी योजना :

कोरोना काल में राहत हेतु आपका बहुत-बहुत धन्यवाद : श्रीमती चंदा सालवी

श्रीमती चंदा सालवी (35 वर्ष) के पति का निधन कुछ महीने पहले अचानक गंभीर बीमारी की वजह से हो गया। वो हम्माली करके घर का खर्च चलाते थे। इनके दो पुत्र हैं: बड़ा वाला कुछ काम धंधा कर लेता है जबकि छोटा वाला स्कूल जाता है। चंदा स्वयं एक बंगले में झाड़ू–पोंछा लगाने का काम करती है। पहले दो घर में काम मिलता था पर अब कोरोना संकट के कारण एक ही घर पर काम है। चन्दा जी ऐसे कार्य करके जैसे–तैसे घर का खर्च चलाने की कोशिश करती है लेकिन बड़ी मुश्किल होती है। मकान का किराया भारी पड़ता है, खेती बाड़ी से कोई विशेष आय नहीं है। थोड़ा बहुत माता–पिता की मदद व थोड़ा वे और उनका पुत्र काम करके घर चलाने की कोशिश करते हैं। ससुराल की तरफ से कोई मदद नहीं मिलती है। छोटे से कमरे का 2000 रु. किराया व नल–बिजली अलग से देना पड़ता है। मकान मालिक से किराया कम करने की प्रार्थना की तो बोला कि हम तो इतना किराया ही लेंगे, आप नहीं तो कोई और देगा, आपको रहना हो तो रहो, किराया कम नहीं होगा। तो मजूबरी में यहीं रहना ही पड़ता है। गाँव में रहो तो वहाँ कोई काम धंधा ही नहीं मिलता है। खेती बाड़ी थोड़ी है पर पानी की कमी के चलते कोई फसल नहीं उगा पाते हैं। लॉकडाउन के दौरान कोई काम धंधा नहीं था, 2–3 महीने गाँव रहकर आए तो किराया चढ़ गया। 3 महीने का किराया थोड़ा–थोड़ा करके ही दे पाएँगे। पति होते तो सब्जी का धंधा करके भी कुछ कमा लेते लेकिन एक अकेली औरत क्या कर सकती है। वह दिन भर कुछ कमाने की कोशिश में लगी रहती है। तारा संस्थान की गौरी योजना के तहत इन्हें 1000 रु. की मदद दी जाती है, जिससे इन्हें कुछ राहत तो निश्चित ही मिलती है। ''जी आप सबका बहुत–बहुत धन्यवाद'' श्रीमती चंदा सालवी आभार पूर्वक कहती है।

गौरी योजना सेवा (प्रति विधवा महिला सहायता) 01 वर्ष - 12000 रु., 06 माह - 6000 रु., 01 माह - 1000 रु.

तृप्ति योजना :

बेटी को मेरी तरह मजदूरी नहीं करने दूंगी : ओंकारी बाई

ओंकारी बाई के पति का निधन कई वर्षों पहले हो गया। वह इधर–उधर कुछ काम करके घर चलाने की कोशिश करती है। इनके एक बेटी है जो इनके साथ रहती है और दो बेटे हैं जो अहमदाबाद में रहते हैं एवं इनसे किसी प्रकार का सम्पर्क या सहयोग नहीं करते हैं क्योंकि जब वे छोटे थे तभी इनकी ननद उन्हें लेकर चली गई थी। यह पूछने पर कि आपने हस्तक्षेप क्यों नहीं किया, इसके जवाब में ओंकारी बाई कहती है कि दरअसल इनके पति ने ही बच्चों को ननद के साथ भेज दिया था क्योंकि उनके पास कोई नियमित काम धंधा नहीं था, वे दिमाग से कुछ कमजोर थे। अपने पति की मृत्यु के पश्चात् ओंकारी बाई को स्वयं मजदूरी करके काम चलाना पड़ रहा है। घर खर्चा बड़ी मुश्किल से ही निकल पाता है। बच्ची का पढ़ाई का खर्चा भी है सो अलग। तो भी बेटी को आगे पढ़ाना ही है क्योंकि (उन्हीं के शब्दों में) : ''उसे मेरी तरह मजदूरी करते नहीं देखना चाहती हूँ भले ही मुझे जीवन भर पत्थर लादने की मजदूरी करनी पड़े।'' उनकी स्थिति को देखते हुए तारा संस्थान से उन्हें मासिक राशन व 300 रु. नकद दिए जा रहे हैं जिससे उन्हें काफी राहत मिली है। श्रीमती ओंकारी बाई तारा संस्थान को धन्यवाद देकर कहती है कि दानदाताओं का भगवान भला करें।

तृप्ति योजना सेवा (प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता) 01 वर्ष - 18000 रु., 06 माह - 9000 रु., 01 माह - 1500 रु.

हमारे संरक्षक

डॉ. ओ.सी. जैन सा., नि. रतलाम (म.प्र.)

डॉ. ओ.सी. जैन सा. निवासी रतलाम (म.प्र.) का जन्म गाँव कचनारा, जिला मन्दसौर में दिनांक 22 अक्टूबर, 1937 को हुआ। उनको बाल्यकाल से ही शिक्षा में रुची थी। एम.ए., बी.एड. साहित्यरत्न के पश्चात् योग विशेषज्ञ स्वामी आनन्दानन्द योग साधना आश्रम, जयपुर के चरणों में रहकर योग दीक्षित हुए। सन् 1970 से आज तक 48 वर्ष से योग सेवा कर रहे हैं। लगभग 15000 विद्यार्थी तैयार किए जिनमें रोगी भी शामिल हुए। रतलाम में डोरेनगर तैयार किया। वहाँ पर योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा का कार्यक्रम होता है। इसके अतिरिक्त शासकीय सेवा में रहकर 43 वर्ष तक अध्यापन कार्य एवं समाज सेवा की एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती निर्मला जी जैन एक अच्छी गृहणी एवं धार्मिक प्रवृत्ति और सेवा भावी महिला थी। इन्होंने शासकीय सेवा में शिक्षिका का कार्य किया एवं उनकी लम्बी बीमारी के बाद 3 जनवरी, 2017 को स्वर्गवास हो गया। आपने श्रीमती कृष्णा शर्मा आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर में हॉल व बैठक बनवाए हैं व आपका मार्गदर्शन व आशीर्वाद प्रतिमाह संस्थान को मिल रहा है। 22 अक्टूबर, 2020 को आपके जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ एवं ईश्वर से उनके दीर्घ जीवन की प्रार्थना करते हैं।

हमारे प्रेरक / दानदाता

श्री रविशंकर जी अरोड़ा, नि. शालीमार पार्क, दिल्ली

श्री रविशंकर जी संस्थान से प्रारम्भ से जुड़े हुए हैं और आप स्वयं डोनेशन भेजते रहते हैं साथ ही आपने बहुत से नए लोगों को तारा संस्थान से जोड़ा है और सबसे बड़ा कार्य लॉकडाउन के दौरान आपने कई नए लोगों को संस्थान से जोड़ा है। आपको जब भी संस्थान के कोई नए प्रोजेक्ट की जानकारी दी जाती है तो उसका प्रचार प्रसार अच्छे से करते हैं और आप के प्रेरकों का एक ग्रुप बना हुआ है उसमें अत्यन्त सक्रियता से कार्य करते हैं। सारी योजनाओं को लोगों तक पहुँचाना, उसको इम्प्लीमेंटेशन करना सारा काम आप कर रहे हैं। आप एक या दो बार उदयपुर आकर देख कर भी गए हैं तब से वृद्धाश्रम के प्रति आपकी रुचि है। आप प्रेरक ही नहीं संस्थान के दानदाता भी हैं। आपने लोनी हॉस्पीटल के उद्घाटन के समय लोनी हॉस्पीटल में जितने भी पंखे लगे उन सब पंखों की व्यवस्था आपके सौजन्य से हुई है। आपका सहयोग और मार्गदर्शन निरंतर संस्थान को मिल रहा है कि किस तरह से संस्थान के कार्य को और अधिक विस्तृत करने के लिए और नये दानदाताओं की केसे जोड़ा जा सके।

श्री रामगोपाल जी यादव, नि. चण्डीगढ़

आप 2019 से तारा संस्थान से जुड़े हैं। आपने एक ग्रुप बना रखा है जो सामाजिक कार्यकर्त्ता ग्रुप ऑफ चण्डीगढ़ पुलिस के नाम से जाना जाता है। आप गरीबों के हित में बहुत ही अच्छा कार्य कर रहे हैं जिसमें गरीबों के लिए भोजन व्यवस्था, निराश्रित वृद्धजनों के रहन–सहन की व्यवस्था, चिकित्सा कार्य के लिए आपने समय–समय पर दान सहयोग दिया है। आपके ग्रुप ने पिछले 72 माह से अनेक पुण्य कार्य सम्पन्न करवाये हैं।

श्री बंशीलाल जी गहलोत, नि. राजसमन्द (राज.)

मानव सेवा प्रकल्प के तहत वृद्धजनों की सेवा – सुश्रुषा और वृद्धाश्रम से जुड़ी विभिन्न व्यवस्थाओं में सहयोग के लिए पूर्व विधायक श्री बंशीलाल गहलोत ने तारा संस्थान उदयपुर को चैक द्वारा 1 लाख रु. सहयोग राशि 31 अक्टूबर, 2020 को प्रदान की। जेके सर्कल पर द्वारकेश भवन परिसर में पूर्व विधायक श्री बंशीलाल गहलोत एवं पूर्व जिला प्रमुख श्री नारायण सिंह भाटी ने संस्थान प्रतिनिधि कृष्णगोपाल यादव को चेक दिया। यह राशि वृद्धाश्रम में भवन निर्माण में उपयोग होगी। भोजन व्यवस्था में सहयोग के लिए गहलोत ने अलग से व्यवस्था की। समारोह में कॉंग्रेस प्रवक्ता श्री हरिवल्लभ पालीवाल, पूर्व युवक कांग्रेस जिलाध्यक्ष श्री मनीष सिंह राठौड़ एवं अनेक गण्यमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। उसके पश्चात परिसर स्थित बालाजी मंदिर में सुन्दरकांड पाठ का कार्यक्रम हुआ।

चित्र में (एकदम बाएं) श्री बंशीलाल जी गहलोत (बीच में) श्री अवधेशानन्द जी महाराज व तारा संस्थान प्रतिनिधि एवं (एकदम दाएं) श्री नारायण सिंह भाटी

24.10.2020

तारा नेत्रालय, दिल्ली के 8 वर्ष पूर्ण

तारा संस्थान के दिल्ली स्थित तारा नेत्रालय के 8 वर्ष दि. 24 अक्टूबर, 2020 का पूर्ण हुए। तारा संस्थान की ओर से डॉ. जयदीप धामा, डॉ. पूजा धामा डॉ. तथा समस्त सहयोगी कर्मियों को इस अवसर पर बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की गई।

तारा नेत्रालय, मुम्बई को बधाई!

तारा नेत्रालय, मुम्बई के सफलता पूर्वक 7 वर्ष दि. 13 अक्टूबर, 2020 को पूर्ण हुए। हमारी ओर से डॉ. हितेश नेत्रावली एवं उनके सहयोगियों को ढेरों बधाइयाँ।

13.10.2020

(फाईल फोटो) डॉ. नेत्रावली (सबसे दाएँ) अपने सहकर्मियों के साथ

08.10.2020

तारा नेत्रालय उदयपुर में रेटिना (आँखों के पर्दे) का निःशुल्क जाँच शिविर रखा गया जिसमें 62 जरूरतमंद लोगों को अनुभवी विशेषज्ञ द्वारा निःशुल्क जाँच कर परामर्श दिया गया। कोई भी सज्जन जो आंखों के पर्दे की समस्याओं से पीड़ित हैं वह निम्न नंबर पर संपर्क कर सकते हैं : 95493 99993, 96493 99993।

08.10.2020

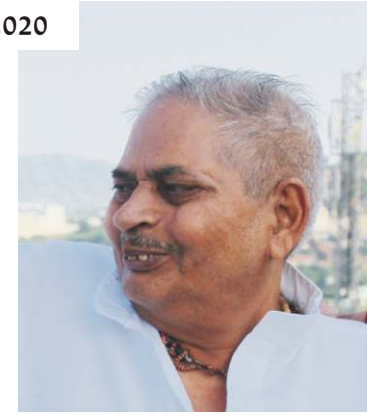

भावभीनी हार्दिक श्रद्धांजलि : स्व. श्री चिमन भाई मोदी : श्रीमती कृष्णा शर्मा आनंद वृद्धाश्रम, उदयपुर वासी 72 वर्षीय श्री चिमन भाई मोदी का दिः 8 अक्टूबर, 2020 का बीमारी के चलते स्वर्गवास हो गया। वे मूलतः मुंबई से थे उनके निधन पर हम दिवंगत आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना करते हैं। ऊँ शांति।

05.10.2020

तारा संस्थान, उदयपुर और जिला प्रशासन तथा सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में राजकीय वृद्धाश्रम, बलीचा (उदयपुर) में वृद्धजनों हेतु मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन रखा गया जिसमें अनेक बुजुर्गों ने बड़े जोश के साथ भाग लिया।

01.10.2020

तारा संस्थान द्वारा संचालित ''श्रीमती कृष्णा शर्मा आनन्द वृद्धाश्रम'' उदयपुर में पूर्णिमा के अवसर पर अधिकमास में ''श्रीमती शशि प्रभा जी खंडेलिया'' निवासी मुम्बई (महा.) द्वारा बुजुर्गों हेतु भोजन (महाप्रसाद) का आयोजन प्रायोजित किया गया। आप सभी महानुभाव भी इसी प्रकार के कई आयोजन करने हेतु सम्पर्क कर सकते हैं +91 95493 99993, 96493 99993।

सर्दियों में ट्विनडेमिक्स बढ़ाएगा मुश्किल! बचाव का सिर्फ एक तरीका

कोरोना वायरस के प्रकोप को एक साल होने वाला है और अब तक इसकी कोई सटीक दवा खोजी नहीं जा सकी है। दुनिया भर में इसके मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। एक्सपर्ट का कहना है कि ठंड के मौसम में स्थिति और खराब हो सकती है और संक्रमण के मामले दोगुनी तेजी से बढ़ सकते हैं। ठंड के मौसम में सर्दी–खाँसी आम है, ऐसे में वायरस का दोहरा खतरा हो सकता है।

ठंड के मौसम में बढ़ जाता है श्वसन संक्रमण – शुरूआत में कहा जा रहा था कि गर्मी के मौसम में वायरस का खतरा कम हो सकता है। हालांकि इन सभी दावों पर पानी फिर गया। वहीं ठंड के मौसम में कोरोना वायरस की दर तेजी से बढ़ सकती है। श्वसन संक्रमण या फिर अस्थमा जैसी बीमारी आमतौर सर्दियों के मौसम में बढ़ जाती है। इसलिए बार–बार ठंड में इसके खतरे को दोगुना बताया जा रहा है।

आने वाले महीनों में 'ट्विनडेमिक' का खतरा – उम्मीद जताई जा रही है कि कोरोना वायरस की कारगर और असरदार वैक्सीन 2021 जुलाई तक आ पाएगी। एक्सपर्ट ने चिंता जताई है कि ठंड के मौसम में लोग इन्फ्लूएंजा और कोरोना वायरस दोनों के संपर्क में आ सकते हैं, विशेषज्ञ इसे ट्विनडेमिक (Twindemic) कह रहे हैं। ट्विनडेमिक की ये स्थिति और भयानक हो सकती है। हर जगह पहले से ही अस्पतालों में मरीजों की भारी भीड़ है, ऐसे में सर्दियों के मौसम में अस्पतालों को विशेष तैयारी करनी होगी।

ठंड के मौसम में जानलेवा हो सकती हैं सांस की बीमारियाँ – वायरस शुष्क हवा और ठंडे मौसम में लंबे समय तक जीवित रहते हैं। इसके अलावा, ह्यूमिडिटी में एरोसोल बन जाने की वजह से भी ये वायरस तेजी से फैलता है। ठंड के मौसम से संक्रमण फैलने की एक वजह ये भी है कि इन दिनों शरीर को धूप नहीं मिल पाती है, जिसकी वजह से शरीर में विटामिन डी की कमी हो जाती है। शरीर में विटामिन डी की कमी से इम्यून सिस्टम भी कमजोर हो जाता है।

ठंड के मौसम में खुद को वायरस से कैसे बचाएं – दुनिया भर के हेल्थ एक्सपर्ट इस बात पर सहमत है कि ठंड के मौसम में कोरोना वायरस का प्रकोप दोगुनी तेजी से बढ़ेगा, ऐसे में सभी देशों को इससे निपटने की खास तैयारी करनी होगी। लोगों को महामारी की और लहर के लिए तैयार रहना होगा वरना किसी भी तरह की लापरवाही भारी पड़ सकती है। अच्छा होगा कि ठंड का मौसम शुरू होने से पहले ही आप फ्लू शॉट्स ले लें।

ठंड के मौसम में बच्चे फ्लू की चपेट में जल्दी आ जाते हैं। हालांकि ये मौसमी फ्लू कुछ दिनों में अपने आप चला जाता है लेकिन इस बार कोरोना वायरस की वजह से ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है। हेल्थ एक्सपर्ट ठंड का मौसम शुरू होने से पहले सभी को इन्फ्लुएंजा वैक्सीन लगवाने की सलाह दे रहे हैं।

ठंड के मौसम में अकसर गले में खराश हो जाती है इसलिए इस मौसम में गर्म पानी पीने की आदत डालें। इसके अलावा आप सोशल डिस्टेंसिंग और सफाई के नियमों का सख्ती से पालन करें और बिना फेस मास्क के घर से बिल्कुल भी बाहर ना निकलें।

भगवान का कोई धर्म नहीं है। – महात्मा गाँधी

मोतियाबिन्द जाँच - ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यतः पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द–ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई, फरीदाबाद व लोनी (गाजियाबाद) स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित हैं।

दानदाताओं के सौजन्य से माह अक्टूबर – 2020 में आयोजित शिविरों का संक्षिप्त विवरण

तारा नेत्रालय – उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद में आयोजित शिविर :

सौजन्यकर्त्ता : श्रीमती माया जी – नई दिल्ली, श्रीमती पुष्पा जैन धर्मपत्नी श्री सुरेन्द्र कुमार जैन – खड़गपुर (प. बंगाल)

प्रिंटेड रसीद छोड़े, वृक्ष बचाएँ

इस धरा के एक जिम्मेदार वासी होने के कारण हम सभी का उत्तरदायित्व है कि पर्यावरण रक्षा हेतु प्रयत्न करें। यदि आपको रसीद की प्रिंट नहीं चाहिए तो कृपया इस नम्बर 9549399993, 9649399993 पर सूचित करें। एक कागज बचाने से भी हम कुछ वृक्षों को बचा ही सकते हैं। आपका और हमारा छोटा सा प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए अति उपयोगी सिद्ध होगा।

अपने मोबाइल से स्केन कर हाथों हाथ सहयोग भेजें।

UPI
UNIFIED PAYMENTS INTERFACE

कृपया आपश्री सहमति पत्र के साथ अपना सहयोग भेजें

आदरणीय अध्यक्ष महोदया,

मैं (नाम) ..... सहयोग मद / उपलक्ष्य में / स्मृति में .....

संस्थान द्वारा संचालित सेवा कार्यों में रुपये ..... का केश / चैक / डी.डी. नम्बर .....

दिनांक ..... से सहयोग भेजने की सहमति प्रदान करता / करती हूँ।

मेरा पता (नाम) ..... पिता (नाम) .....

निवास पता .....

लेण्ड मार्क ..... जिला ..... पिन कोड ..... राज्य .....

फोन नम्बर घर / ऑफिस ..... मो.नं. ..... ई–मेल .....

तारा संस्थान, उदयपुर के नाम पर दान – सहयोग प्रदान करें।

हस्ताक्षर

Thanks :

NAMES AND PLACES OF THE DONORS WE ARE GRATEFUL OF

Donors are requested kindly to send their photographs along with donation for publishing in TARANSHU

Mr. A.K. Singhal - Mrs. Padma Singhal
Ghaziabad (UP)

Mr. Jagdish Prasad Ganeriwal - Mrs. Sharda Devi
Kolkata

Mr. Radhey Govind Mathur – Mrs. Nalini Mathur
Jaipur (Raj.)

Mr. N.S. Gupta - Mrs. Kanta Gupta
Indore (MP)

Mr. Kundan Lal - Mrs. Chandrakanta Kachchara
Udaipur (Raj.)

Late Mrs. Raksha Rani
Sabharwal

"तारा परिवार का सौभाग्य कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया"

माताजी श्रीमती किताबो देवी,
श्री मदन सिंह जी एवं परिवार, गुड़गाँव (हरि.)

श्रीमती विजयश्री – श्री नरसिंहा चार्य
हैदराबाद

हार्दिक श्रद्धांजलि

स्व. श्रीमती प्रेमलता जी

तारा संस्थान के दानदाता श्रीमान लक्ष्मी लाल जी खजवानिया की धर्मपत्नी स्वर्गीय श्रीमती प्रेमलता जी की 6वीं पुण्यतिथि पर तारा संस्थान परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धांजलि।

स्व. श्री एस.एन. शर्मा

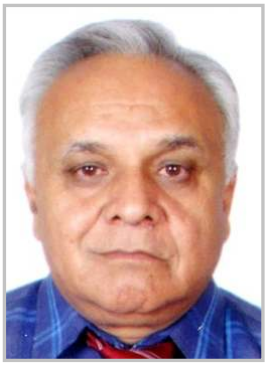

हमारे प्रेरक मुम्बई निवासी श्री एस.एन. शर्मा सा. का विगत अक्टूबर माह में अस्वस्थता के चलते निधन हो गया। श्री शर्मा तारा संस्थान के साथ आरम्भ से ही जुड़े हुए थे एवं उत्तम कार्यों हेतु जाने जाते थे। तारा संस्थान उनकी दिवंगत आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना कर श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

RAISE YOUR HAND and change a life

Donate Now

Our Preraks हमारे प्रेरक

Mrs. Parmod Mehra - Mr. Amrish Mehra
Flat No. 801 A Block Platinum Height, Sec 8 Ramprastha Green Vaishali
Ghaziabad (U.P.) 201010, Mob. 8368658437, 9313363757

Mr. Ravi Sankar Arora
H. No. 4/1461,
Gali No. 2, Shalimar Park,
Shahdra, Delhi-32
Mob. 9810774473

Mrs. Kumud Sharma
B-30, Maunt Everest Society,
Plot No. 17, Sec-9, Dwarka,
New Delhi-77
Mob. 9810547565

Mrs. Chander Kwatra
WZ-1881, G Floor,
Multani Mohlla, Rani Bagh,
Near Krishna Mandir, Delhi-3
Mob. 9971332943

पाप से घृणा करो, पापी से प्रेम करो।

AREA SPECIFIC TARA SADHAKS

Sanjay Choubisa
Area Delhi
Cell : 07821055717

Gopal Gadri
Area Delhi
Cell : 07821855741

Amit Sharma
Area Delhi
Cell : 07821855747

Ramesh Yogi
Area Lucknow (UP)
Cell : 07821855739

Narayan Sharma
Area Hyderabad
Cell : 07821855746

Vikas Chaurasia
Area Jaipur (Raj.)
Cell : 09983560006

Kailash Prajapati
Area Mumbai
Cell : 07821855738

Deepak Purbia
Area Punjab
Cell : 07821055718

Pavan Kumar Sharma
Area Bikaner
Cell : 07821855740

Rameshwar Jat
Area Gurgaon, Faridabad
Cell : 07821855758

Santosh Sharma
Area Mumbai
Cell : 07821855751

Mukesh Gadri
Area Noida, Ghaziabad
Cell : 07821855750

Kamal Didawania
Area Chandigarh (HR)
Cell : 07821855756

Prakash Acharya
Area Surat (Guj.)
Cell : 07821855726

Krishna Gopal Yadav
Area Jodhpur, Kanpur
Cell : 07412051606

'TARA' CENTRE - INCHARGES

Shri S.N. Sharma
Mumbai
Cell : 09869686830

Shri Prem Sagar Gupta
Mumbai
Cell : 09323101733

Shri Bajrang Ji Bansal
Kharsia (C.G.)
Cell : 09329817446

Shri Dinesh Taneja
Bareilly (U.P.)
Cell : 09412287735

Shri Anil Vishvnath Godbole
Ujjain (M.P.)
Cell : 09424506021

Shri Vishnu Sharan Saxena
Bhopal (M.P.)
Cell : 09425050136
08821825087

Smt. Rani Dulani
10-B/B, Viceroy Park, Thakur Village,
Kandiwali (W), Mumbai 400 101, Cell : 09029643708

TARA SANSTHAN BANK ACCOUNTS

ICICI Bank (Madhuban) . . . A/c No. 004501021965 . . . . . IFSC Code : icic0000045
State Bank of India . . . . . A/c No. 31840870750 . . . . . IFSC Code : sbin0011406
IDBI Bank . . . . . A/c No. 1166104000009645 . IFSC Code : IBKL0001166
Axis Bank . . . . . A/c No. 912010025408491 . . . IFSC Code : utib0000097
HDFC Bank . . . . . A/c No. 12731450000426 . . . . IFSC Code : hdfc0001273
Canara Bank . . . . . A/c No. 0169101056462 . . . . . IFSC Code : cnrb0000169
Central Bank of India . . . A/c No. 3309973967 . . . . . IFSC Code : cbin0283505
Punjab National Bank . . A/c No. 8743000100004834 . IFSC Code : punb0874300

DONORS KINDLY NOTE

It you do not get any response from any of the above mentioned Mob. numbers, Kindly inform us at Mobile No. **09549399993 and / or 09649399993**

INCOME TAX EXEMPTION ON DONATIONS

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G of I.T. Act. 1961 at the rate of 50%

Donation to **"TARA SANSTHAN"** may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries VIDE Registration No. 125690108

HUMANITARIAN ENDEAVORS OF TARA SANSTHAN

Tara Netralaya - Udaipur
236, Hiran Magari, Sector 6, Udaipur (Raj.)
313002, Mob. No. +91 9649399993

Tara Netralaya - Delhi
WZ-270, Village - Nawada, Opp. 720,
Metro Pillar, Uttam Nagar, Delhi - 110059
Mob. No. +91 9560626661

Tara Netralaya - Mumbai
Unit No. 1408/7, 1st Floor, Israni Indl.
Estate, Penkarpara, Nr. Dahisar Check-post,
Meera Road, Thane - 401107 (Maharashtra)
Phone No. 022-28480001, +91 9529285557

TARA NETRALAYA - Faridabad
Bhatia Sewak Samaj (Regd.), N.H. - 2, Block - D,
N.I.T., Faridabad - 121001 (Haryana)
Phone No. 0129-4169898, +91 7821855758

Tara Netralaya - Loni
Pt. Munshilal-Draupadi Devi Free Eye Hospital
Plot No: 78-79, Shiv Vihar Coloney,
Near Mokshdham Mandir, Chirodi Road,
Banthla Loni, Gaziabad (U. P.)
Mob. No. +91 7821855750

Tara Netralaya - Ratlam
Smt. Vimla Mukhija Charitable Netra &
General Clinic, Vimal Niwas, Street No. 1,
Near Ujala Palace Hotel, Station Road,
Ratlam (M.P.) 457001,
Mob. No. +91 7821855745

Smt. Krishna Sharma Anand Vrudhashram - Udaipur
#344/345, Hiran Magri, (In the lane of
Rajasthan Hospital, Opposite Kanda House)
Sector – 14, J-BLock, Udaipur - 313001 (Raj.)
Mob. +91 8875721616

Tara Sansthan Rajkiya Vruddhashram
100ft. Road, Om Banna Road, Opp. Hyundai
Show Room, South Extension, Balicha,
Udaipur (Raj.) - 313001

Ravindra Nath Gaur Anand Vrudhashram - Allahabad
25/39, L.I.C. Colony, Tagor Town, Allahabad-
211022 (U.P.), Phone No. 0532-2465035

Om Deep Anand Vrudhashram - Faridabad
866, Sec - 15A, Faridabad - 121007
(Haryana) Mob. No. +91 7821855758

Shikhar Bhargava Public School
H.O. Bypass Road, Gokul Village,
Sector - 9, Udaipur - 313002 (Raj.)
Mob. No. +91 9636016973

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक, नवम्बर - 2020
प्रेषण तिथि : 11-17 प्रति माह
प्रेषण कार्यालय का पता : मुख्य डाकघर, चेतक सर्कल, उदयपुर

समाचार पत्र पंजीयन सं. : RAJBIL/2011/42978
डाक पंजीयन क्र. : आर.जे./यू.डी./29-102/2018-2020
मुद्रण तिथि : 9 प्रतिमाह

तारा संस्थान के निःशुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग - सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन - 51000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 06 ऑपेरशन - 18000 रु.,
03 ऑपरेशन - 9000 रु., 01 ऑपरेशन - 3000 रु.

तृप्ति योजना सेवा (प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)

01 वर्ष - 18000 रु., 06 माह - 9000 रु., 01 माह - 1500 रु.

गौरी योजना सेवा (प्रति विधवा महिला सहायता)

01 वर्ष - 12000 रु., 06 माह - 6000 रु., 01 माह - 1000 रु.

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)

01 वर्ष - 60000 रु., 06 माह - 30000 रु., 01 माह - 5000 रु.

वृद्धाश्रम बुजुर्गों हेतु भोजन 3500 रु. (एक समय)

'तारा' के सेवा प्रकल्पों
का कृपया टी.वी.
चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

'पारस '
रात्रि 8:20
से 8:40 बजे

'आस्था भजन'
रात्रि 8:00
से 8:20 बजे

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, अथवा : अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965 ..... IFSC Code : ICIC0000045
State Bank of India A/c No. 31840870750 ..... IFSC Code : SBIN0011406
Axis Bank A/c No. 912010025408491 ..... IFSC Code : UTIB0000097
HDFC A/c No. 12731450000426 ..... IFSC Code : HDFC0001273
Punjab Nationa Bank A/c No. 8743000100004834 ..... IFSC Code : PUNB0874300
PAN CARD NO. TARA - AABTT8858J

TARA SANSTHAN
तारा संस्थान
डीडवाणिया (रतनलाल) निःशक्तजन सेवा सदन,
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. नं. : +91 95493 99993, +91 96493 99993
Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org
Website : www.tarasansthan.org